

## पद्मनाभस्वामी मंदिर

### संदर्भ

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एमीकस क्यूरी (Amicus Curiae) एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमनियम को सलाह दी है कि वे केरल स्थिति पद्मनाभस्वामी मंदिर के तजिरी को खोलने की चर्चा करें, ताकि मंदिर की संपत्तियों की सूची पूरी की जा सके।

### मुख्य घटनाक्रम

- भारत के मुख्य न्यायाधीश जे. एस. केहर की अध्यक्षता वाली पीठ का यह मानना है कि इस मंदिर के प्रबंधन में सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप का मुख्य उद्देश्य शुचिता एवं पारदर्शिता को बनाए रखना है। मंदिर की संपत्तियों की सूची को पूरा करने के लिये उसके तहखाने (कालरा बी) को खोलना किसी भी तरह से किसी के भावनाओं का उल्लंघन नहीं है।
- मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी उस समय आई है जब त्रावनकोर के राजघराने के वकील एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णन वेणुगोपाल ने अदालत को बताया कि किसी तांत्रिकी की रिपोर्ट में कहा गया है कि तहखाना-बी को खोला नहीं जाना चाहिये, क्योंकि यह आस्था का विषय है।
- गौरतलब है कि पूर्व नयितरक एवं महालेखापरीक्षक वनोद राय ने, जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंदिर की पैसों एवं रिकार्डों के ऑडिट की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी, अपनी रिपोर्ट में कहा था कि इस तजिरी को बीते समय में नौ बार खोला गया था।

### पद्मनाभस्वामी मंदिर

- पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल के त्रिवनंतपुरम में स्थिति भगवान श्री वशिष्ठ का प्रसिद्ध मंदिर है। भारत के प्रमुख वैष्णव मंदिरों में शामिल यह ऐतिहासिक मंदिर त्रिवनंतपुरम के अनेक पर्यटन स्थलों में से एक है।
- मान्यता है कि त्रिवनंतपुरम नाम भगवान वशिष्ठ के 'अनंत' नामक नाग के नाम पर ही रखा गया है। यहाँ पर भगवान वशिष्ठ की वशिराम अवस्था को 'पद्मनाभ' कहा जाता है और इस रूप में वरिजति भगवान यहाँ पर पद्मनाभस्वामी के नाम से विख्यात हैं।

### स्थापत्य

- पद्मनाभस्वामी मंदिर दक्षिण भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। इसका निर्माण राजा मारतण्ड द्वारा करवाया गया था।
- मंदिर के निर्माण में द्रवडि एवं केरल शैली का मिला-जुला प्रयोग देखा जा सकता है।
- इस मंदिर का गोपुरम द्रवडि शैली में बना हुआ है। गोपुरम को कलाकृतियों से सुसज्जति किया गया है।
- इसका परिसर बहुत विशाल है, जो कसात मंजिला ऊँचा है।
- मंदिर के गर्भगृह में भगवान वशिष्ठ की विशाल मूर्ति विराजमान है। इस प्रतिमा में भगवान वशिष्ठ शेषनाग पर शयन मुद्रा में विराजमान हैं।
- मंदिर के पास ही एक सरोवर भी है, जो 'पद्मतीर्थ कुलम' के नाम से जाना जाता है।